Maths

MyCompanion

28th April, 2020

Homework

Day - Tuesday

Table 2 to 12

2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
4	6	8	10	12	14	16	18	20	22	24
6	9	12	15	18	21	24	27	30	33	36
8	12	16	20	24	28	32	36	40	44	48
10	15	20	25	30	35	40	45	50	55	60
12	18	24	30	36	42	48	54	60	66	72
14	21	28	35	42	49	56	63	70	77	84
16	24	32	40	48	56	64	72	80	88	96
18	27	36	45	54	63	72	81	90	99	108
20	30	40	50	60	70	80	90	100	110	120

3

चंदू की होली

पहले करने की बारी

इस पाठ में होली के त्योहार के साथ परिश्रम के महत्त्व पर चर्चा की गई है। त्योहारों व पर्वों में मौज-मस्ती तो होनी चाहिए मगर बीच-बीच में समय निकालकर पढ़ाई का ध्यान रखना भी महत्त्वपूर्ण होता है। खुशनुमा माहौल व शांत मन से की गई पढ़ाई निश्चय ही हमें अपनी मंज़िल की ओर ले जाती है। पाठ पढ़कर जानिए।

आप किन-किन त्योहारों के बारे में जानते हैं?

त्योहारों में बनने वाले कुछ व्यंजनों के नाम बताइए।

इस पर्व में हम पीले वस्त्र क्यों पहनते हैं?

आज होली का त्योहार है। चंदू आज बहुत परेशान है। जगह-जगह होली खेली जा रही है, पर कल से चंदू की परीक्षा शुरू होने वाली है। इसी कारण वह परेशान है कि अगर आज होली खेली तो परीक्षा की तैयारी कैसे होगी? वह हर साल होली का त्योहार बड़े उत्साह के साथ मनाता रहा है।

चंदू इसी चिंता में था कि उसके चाचाजी आ गए। उनका नाम है– ब्रजलाल। वह एक स्कूल में अध्यापक हैं।

चंदू को परेशान देखकर उन्होंने उससे परेशानी का कारण पूछा। चंदू ने अपनी समस्या बताई। चंदू के चाचा जी ने कुछ सोचा, फिर उसके कान में कुछ कहा। चंदू खुशी से उछल पड़ा और बोला, "चाचाजी, आपने तो मेरी परेशानी का हल कर दिया।"

तभी चंदू की माँ नाश्ता लेकर कमरे में आ गई। चंदू ने जल्दी से एक गुझिया उठाई और चाचाजी को दे दी।

माँ ने कहा, "चंदू, अपने पिताजी के साथ जाकर होली के रंग और पूजा का सामान ले आ।"

"मैं कल ही पिताजी के साथ पूजा और होली का सामान ले आया था," हँसते हुए चंदू बोला।

उसने पूजा के थैले और रंगों की ओर इशारा किया।

थोड़ी ही देर बाद चंदू के मित्र उसे बुलाने आ गए। चंदू अपनी पिचकारी और रंग लेकर जाने लगा तो चाचाजी ने कहा, "चंदू, मेरी बात याद रखना।"

चंदू ने 'हाँ' कहा और बाहर चला गया।

चंदू की माँ पकवान बनाने के लिए रसोईघर में चली गई। चंदू दोपहर तक अपने साथियों के साथ होली खेलता रहा। सभी बच्चों ने खूब मस्ती की।

दोपहर के समय चंदू घर लौट आया। वह नहाया और नए कपड़े पहने। इसके बाद घर में पूजा हुई। पूजा के बाद सभी ने खाना खाया।

घर के अन्य लोग तो आराम करने चले गए, पर चंदू अपनी पढ़ाई के कमरे में जाकर किताब-कापियाँ निकालने लगा। उसने शांत मन से पढ़ाई शुरू की। वह देर रात तक पढ़ता रहा।

अगले दिन नहा-धोकर तथा हल्का नाश्ता करके चंदू स्कूल चला गया।

दोपहर बाद चंदू परीक्षा देकर लौटा। पिताजी ने पूछा, "तुम्हारी परीक्षा कैसी हुई?"

चंदू ने हँसते हुए कहा, "बहुत अच्छी।"

एक सप्ताह बाद परीक्षा-परिणाम आया। चंदू प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुआ। घर में सभी खुश थे। चंदू बोला,